Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

Cadaver Organ Donor

Lt. Ilaben Nitinbhai Patel

Donated her : Heart, Lungs, Kidney, Liver & Eyes

Date:- 30/09/2020

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."

Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

Brain-dead Surat woman saves seven lives

TIMES NEWS NETWORK

Gaurang Joshi

Family members decided to pay tribute to her by donating her organs

Surat: In dying, 41-year-old brain-dead woman donates life to seven people with her heart, lungs, liver, two kidneys and two eyes.

It was not the end of her story after **Ilaben Patel,** a resident of Kosad village of Surat,

suddenly fell unconscious and collapsed at her home at around 9 pm on September 27. Rushed to to Venus Hospital in Surat, doctors found her to have suffered a brain-hemorrhage.

Two days later, however, they declared her to be brain-dead on September 29. But Ilaben graduated to live seven different lives with the supreme donation of her organs.

"After the grief-stricken family members of Ilaben contacted us, we met her sons Tanvir and Aaryan and explained the process and with their consent informed the State Organ and Tissue Transplant Organisation (SOTTO) convener Dr Pranjal Modi at the Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC), Ahmedabad," said Nilesh Mandlewala, founder of Donate Life, an NGO engaged in cadaver donation in the city, told TOI.

"We accepted the cruel destiny of our mother's untimely demise. We knew that she would not recover from that stage and so decided to pay tribute to her by donating her organs and saving seven others' precious lives," said son, Tanvir Patel, a farmer.

"Ilaben's heart was transplanted into a 15-year-girl from Delhi at Chennai's MGM Hospital while her lungs were transplanted into 61-year-old Mumbai-based woman at Chennai's Apollo hospital," Mandlewala said, adding that the organs were airlifted to Chennai in 180 minutes.

Earlier, a special green corridor was created from Venus Hospital to Surat Airport to help the organs reach the airport swiftly. A team of IKDRC harvested the two kidneys and liver which too were transported via special green corridor to Ahmedabad.

"Police of seven districts and cities including Surat city, Surat Rural, Bharuch, Vadodara Rural, Anand, Ahmedabad rural and Ahmedabad city to facilitate the organs cover 261 km in three hours only. One kidney was transplanted into 18-year-old youth from Surat while the other was transplanted in an 18-year-old girl from Anand. Her liver was transplanted into a 54-year-old man from Surat at IKDRC," Mandlewala said. The eyes have been donated to Surat-based Lok Drishti Bank.

"Till now, 35 hearts have been donated from Gujarat, of which 28 have been donated from Surat and South Gujarat region alone. Till now, 766 people have got fresh lease of life with organ transplantations through Donate Life," he added.

OF HUMAN BONDAGE

SURAT'S BRAIN-DEAD WOMAN'S ORGANS GIVE LIFE TO 7 PERSONS

Ilaben's sons said, "We are an ordinary family. When we learnt she was brain-dead and that her death was certain, we donated her organs."

First India Bureau

Surat: What would be common to those 7 patients in Anand, Surat, Mumbai, New Delhi and Chennai?

Organs of brain-dead Ilaben Nitinbhai Patel of Surat, thanks to the compassion and sense of empathy of her family towards the suffering of others.

Ilaben fainted after dizziness and convulsions on September 27. The family immediately admitted her to Venus Hospital where she was declared brain-dead on September 29 and chances of her revival were remote.

Later, a team of **city-based NGO, Donate Life, reached the hospital and impressed upon her sons Tanveer and Aryan about how organ donation could give a new life to people. "And they immediately agreed," Nilesh Mandlewala, the founder of Donate Life, said.**

Family of Ilaben, who was declared brain-dead, donated her organs to 7 patients.

Ilaben's kidneys and liver were given to the State Organ and Tissue Transplant Organization (SOTTO), which allotted it to the Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) in Ahmedabad. Her one kidney was transplanted in an 18-year-old boy from Surat and another to a girl of the same age from Anand.

Ilaben's liver was transplanted in a 54-year-old person from Surat by Dr. Pranjal Modi and his team at the IKDRC.

Her heart and lungs were donated to MGM Hospital and Apollo Hospital respectively in Chennai. The heart was transplanted in a 15-year-old girl from Delhi admitted at MGM hospital, while the lungs were transplanted in a 61-year-old woman from Mumbai admitted at Apollo, Chennai. Her eyes were donated to Lok Drashti Eye Bank, Surat.

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."

अंगदान • सूरत की ईलाबेन पटेल सात लोगों को दे गईं नई जिंदगी, गिरने से हुई थीं ब्रेनडेड

कोली समाज की ईलाबेन का हृदय 180 मिनट में 1610 किमी चेन्नई भेजा, अब दिल्ली की छात्रा के लिए धड़क रहा

सूरत | कोली पटेल समाज की ब्रेनडेड ईलाबेन नितिन पटेल (41) सात लोगों को नई जिंदगी दे गईं। उनकी मृत्यु के बाद

परिजनों ने उनका हृदय, फेफड़े, किडनी, लीवर और आंखें दान कर दीं। उनका हृदय सूरत से 1610 किमी की दूरी 180 मिनट में तय कर चेन्नई पहुंचाया गया। वहां एमजीएम अस्पताल में दिल्ली की 15 वर्षीय छात्रा में हृदय ट्रांसप्लांट किया गया। उनके फेफड़े मुंबई की 61 साल की महिला में चेन्नई के अपोलो अस्पताल में ट्रांसप्लांट किए गए। 27 सितंबर को रात 9 बजे ईलाबेन मिर्गी का दौरा पड़ने से बेहोश हो गई थीं। उन्हें वीनस अस्पताल ले जाया गया। जहां न्यूरो सर्जन डॉ. धवल पटेल ने सीटी स्कैन कराया, जिसमें पता चला कि उनके दिमाग की नस फटने से रक्त के थक्के जम गए हैं।

29 को किया था ब्रेनडेट घोषित | डॉ. धवल, न्यूरोफिजिशियन डॉ. गौरांग घीवाला, डॉ. निखिल जरीवाला, एनेस्थेटिस्ट डॉ. रवीशा शेख ने 29 सितंबर को इलाबेन को ब्रेनडेड घोषित कर दिया। डोनेट लाइफ की टीम ने ईलाबेन के बेटों तनवीर व आर्यन, देवर पुष्पेंद्र और अन्य परिजनों को समझा कर अंगदान कराया। एसओटीटीओ के कन्वीनर डॉ. प्रांजल मोदी को संपर्क कर दिल और फेफड़ा, किडनी और लीवर के दान के लिए जानकारी दी। डोनेट लाइफ के नीलेश मांडलेवाला ने बताया कि सूरत से यह 28वां हृदय दान है। किया। इलाबेन के फेफड़े मुंबई की 61 साल की महिला को ट्रांसप्लांट किए।

ग्रीन कॉरिडोर बनाकर ईलाबेन का दिल और फेफड़े भेजे गए चेन्नई

चेन्नई के एमजीएम तथा अपोलो अस्पताल को दिल और फेफड़े दिए गए। किडनी-लीवर अहमदाबाद के इंस्टिट्यूट ऑफ किडनी डिसीज एंड रिसर्च सेंटर को दिए। आंखें लोक दृष्टि चक्षु बैंक ने स्वीकार किया। वीनस अस्पताल से चेन्नई की एमजीएम तथा अपोलो अस्पताल तक 1610 किमी की दूरी 180 मिनट में तय की गई। एमजीएम अस्पताल में डॉ. बालाकृष्णा और उनकी टीम ने दिल्ली की 15 साल की छात्रा को हार्ट ट्रांसप्लांट किया।

ब्रेन डेड महिला ने हृदय, फेफड़ा, किडनी, लीवर एवं आंख दान कर अन्य व्यक्तियों को नवजीवन दिया

अंगदान कर परिजनों ने समाज को दिखाई नई राह

लोकतेज संवाददाता

सूरत। कोसाड में रहने वाले कोली पटेल समुदाय के ब्रेनडेड इलाबेन पटेल के परिवार ने उनका हृदय, फेफड़ा, किडनी, लीवर एवं आंख का दान सात व्यक्तियों को नवजीवन दान कर न केवल मानवता की महक फैलाई बल्कि समाज को एक नई दिशा दिखाई। सूरत से चेन्नई की 1610 किलोमीटर की दूरी 180 मिनट में तय कर हृदय का ट्रांसप्लांट दिल्ली का 15 वर्षीय छात्रा में चेन्नई की अस्पताल में तथा फेफड़ा का ट्रांसप्लांट मुंबई की 61 वर्षीय महिला में चेन्नई के अपोलो अस्पताल में किया गया।

कोसाड गाम में कोसाड बस स्टैंड के पास जूना कोसीवाड निवासी 41 वर्षीय इलाबेन नितिनभाई पटेल गत 27 सितंबर की रात्रि दरम्यान चक्कर आने से बेहोश हो गई थी। जिनकी उपचार के दौरान मौत हो गयी। संतान में उनके दो पुत्र हैं।

परिवार के लोग उसे तत्काल इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले गए। जहां सीटी स्कैन कराने पर पता चला कि मस्तिष्क की नस फट जाने से रक्त का थक्का जम गया है, जिससे मस्तिष्क में सूजन होने से उपचार शुरू किया है। इलाज के दौरान स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं होने से 29 सितंबर को डॉक्टरों की एक टीम ने इलाबेन को ब्रेनडेड घोषित किया।

इस संदर्भ में डोनेट लाइफ के अध्यक्ष नीलेश मंडलेवाला से टेलीफोन पर संपर्क किया गया। बाद में डोनेट लाइफ की टीम अस्पताल जाकर परिजनों एवं संबंधियों को अंगदान की प्रक्रिया समझायी।

परिजनों की स्वीकृति के बाद चेन्नई के एक अस्पताल के डॉक्टरों की एक टीम सूरत आकर हृदय और फेफड़े के दान को स्वीकार कर लिया। बाद में अहमदाबाद की इन्स्टीट्यूट ऑफ किडनी डिसीज एण्ड रिसर्च सेन्टर के डॉक्टरों की टीम आकर किडनी एवं लीवर का दान स्वीकार किया। जबकि चक्षुओं का दान लोकदृष्टि चक्षुबैंक ने स्वीकार किया।

सूरत के एक निजी अस्पताल से 1610 किमी की दूरी 180 मिनट में तय कर दान में मिले हृदय का ट्रांसप्लांट चेन्नई की अस्पताल में डॉक्टरों और उनकी टीम ने दिल्ली के 15 वर्षीय छात्रा में प्रत्यारोपित किया गया। जबकि फेफड़े का ट्रांसप्लांट चेन्नई के निजी अस्पताल मुंबई की एक 61 वर्षीय महिला में डॉक्टरों और उनकी टीम द्वारा प्रत्यारोपण किया गया।

दान में दी किडनी में से एक किडनी का ट्रांसप्लांट सूरत के 18 वर्षीय युवक एवं दूसरी किडनी का ट्रांसप्लांट गुजरात के आणंद की 18 वर्षीय युवती में किया गया।

जबकि लीवर का ट्रांसप्लांट सूरत के 54 वर्षीय व्यक्ति में अहमदाबाद की इन्स्टीट्यूट ऑफ किडनी डिसीज एण्ड रिसर्च सेन्टर के डॉक्टरों एवं उनकी टीम द्वारा किया गया।

सूरत और दक्षिण गुजरात से डोनेट लाइफ अब तक 369 किडनी, 150 लीवर, 7 अग्न्याशय (पैन्क्रीआस), 28 हृदय, 6 फेफड़े और 272 आंखें सहित कुल 832 अंगों एवं टीसुओं का दान मिलाकर 766 व्यक्तियों को नया जीवन और नई दृष्टि देने में सफल रही।

चैन्नई की 15 वर्षिय विद्यार्थिनी में धड़केगा सूरत की महिला का दिल

➤ब्रैन डेड इलाबहन के हृदय, फेफड़े, किडनी, लिवर और आंख के दान से सात जनों को मिला नवजीवन

वीओटी संवाददाता

सूरत, 1 अक्टूबर

सूरत में ब्रैन डेड घोषित महिला के परिजनों ने उनके हृदय, फेफड़े सहित विविध अंगों के दान से सात व्यक्तियों को नया जीवन दिया है। सूरत की निवासी इलाबहन पटेल का हृदय सूरत से चैन्नई 1610 किमी का सफर 180 मिनट में तय कर दिल्ली की 15 विद्यार्थिनी में और फेफड़े मुंबई की 61 वर्षिय महिला में प्रत्यारोपित किए गए।

सूरत से हृदय व फेफड़े के दान की यह तीसरी घटना है। 27 सितम्बर को इलाबहन पटेल चक्कर आने से गिर गए थे, उन्हें उपचार के लिए विनस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। उनके दिमाग में सूजन थी व चिकित्सकों ने उन्हें 29 सितम्बर को ब्रैन डेड घोषित किया था। उनके परिजनों ने अंगदान की पक्रिया समझी और डोनेट लाइफ के सदस्यों ने उन्हें जानकारी उपलब्ध कराई। परिजनों ने इलाबहन के अंगों का दान करने का निर्णय किया। उनके हृदय व फेफडे यहां से विमान द्वारा चैन्नई भेजे गए। वहां उनका हृदय 15 वर्षीय विद्यार्थिनी में और फेफड़े मुंबई की 61 वर्षिय महिला में प्रत्यारोपित किए गए। उनकी किडनी एवं लीवर अहमदाबाद स्थित इन्स्टीट्यूट ऑफ किडनी डिसीस एण्ड रिसर्च सेन्टर में उपलब्ध कराए गए। वहां उनकी एक किडनी सूरत के 18 वर्षिय युवक एवं दूसरी किडनी आणंद की 18 वर्षिय युवती तथा लीवर सूरत की 54 वर्षिय व्यक्ति में प्रत्यारोपित की गई। उनकी आंखों का दान सूरत में लोकद्रष्टि चक्षुबैंक ने स्वीकार किया। डोनेट लाइफ द्वारा सूरत व दक्षिण गुजरात से अब तक 369 किडनी, 150 लीवर, 7 पेन्क्रीयाज, 28 हृदय. 6 फेफड़े, और 272 आंख कुल 832 अंग और टीश्यू का दान प्राप्त कर 766 व्यक्तियों को नवजीवन दिया है।

Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

सात जनों को मिला नया जीवन : सूरत से चेन्नई चार्टर्ड प्लेन से 1,610 किमी की दूरी 160 मिनट में तय की

लॉकडाउन के बाद सूरत से 28वें हृदय और तीसरे फेफड़े का दान

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सूरत. अमरोली कोसाड गाम निवासी एक महिला के ब्रेनडेड घोषित किए जाने के बाद परिवार ने अंगदान का निर्णय किया। जिससे सात जनों को नया जीवन मिला है। सूरत से चेन्नई 1,610 किमी की दूरी ह्रदय और फेफड़े ने चार्टर्ड प्लेन से तीन घंटे में तय की। किडनी व लीवर का प्रत्यारोपण अहमदाबाद के आईकेडीआरसी अस्पताल में किया गया। जबकि चक्षुओं का दान चक्षु बैंक के चिकित्सकों ने स्वीकार किया।

यह है वाकया

अमरोली कोसाड जूनी कोलीवाड़ निवासी ईलाबेन पटेल (41) को 27 सितम्बर की रात चक्कर और मिर्गी आने के बाद बेहोश हो गई। उन्हें विनस अस्पताल ले जाया गया। डॉ. निखिल जरीवाला ने उपचार शुरू किया। सीटी स्कैन रिपोर्ट में दिमाग की नस फटने से रक्त की गांठ होने की पुष्टि हुई। उन्हें न्यूरोसर्जन डॉ. धवल पटेल ने 29 सितम्बर को ब्रेनडेड घोषित किया। इसके बाद अस्पताल की सूचना पर डोनेट लाइफ के प्रमुख निलेश मांडलेवाला वहां पहुंचे और परिवार को अंगदान की जानकारी दी। पुत्र तनवीर और आर्यन, देवर पुष्पेन्द्र, भाई भगवती, बहनोई शांतिलाल समेत अन्य लोगों ने अंगदान की स्वीकृति दी। इसके बाद मांडलेवाला ने स्टेट ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन के कन्वीनर डॉ. प्रांजल मोदी से संपर्क किया।

गुजरात में हृदय ट्रांसप्लांट का कोई मरीज नहीं होने के चलते मुम्बई आरओटीटीओ तथा एनओटीटीओ से संपर्क किया। किडनी व लीवर का दान अहमदाबाद के आईकेडीआरसी ने स्वीकार किया। चेन्नई के एमजीएम तथा अपोलो अस्पताल के डॉ. मुरली कृष्णा की टीम ने हृदय व फेफड़े का दान स्वीकार किया। इसके बाद सूरत के विनस अस्पताल से चेन्नई एमजीएम तथा अपोलो अस्पताल तक 1610 किमी की दूरी 160 मिनट में तय की गई। मांडलेवाला ने बताया कि गुजरात से यह 35वां हृदयदान है।

सूरत से 3 घंटे में चेन्नई तक का सफर

- शाम 4.30 बजे विनस अस्पताल से सूरत एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए चिकित्सक।
- शाम 4.49 बजे चिकित्सकों की टीम एयरपोर्ट पहुंची।
- शाम 4.59 बजे सूरत एयरपोर्ट से चार्टर्ड प्लेन में चेन्नई रवाना हुए।
- शाम 7.10 बजे चेन्नई एयरपोर्ट पहुंचे।
- शाम 7.25 बजे चेन्नई एयरपोर्ट से एमजीएम व अपोलो अस्पताल पहुंचे।
- किडनी व लीवर ग्रीन कॉरिडोर के तहत सूरत से अहमदाबाद पहुंचाया गया।

इसमें सूरत से डोनेट लाइफ द्वारा 28वां हृदयदान किया है। जिसमें से 20 हृदय मुम्बई, 4 हृदय अहमदाबाद, दो हृदय चेन्नई, एक-एक हृदय नई दिल्ली और इंदौर में ट्रांसप्लांट किए गए हैं।

इन्हें मिला नया जीवन

- दिल्ली की किशोरी में डॉ. बाला सुब्रमण्यन तथा उनकी टीम ने हृदय का ट्रांसप्लांट किया।
- मुम्बई की वृद्धा में डॉ. टी. सुंदर तथा टीम ने फेफड़े का ट्रांसप्लांट किया।
- सूरत निवासी 18 वर्षीय युवक तथा आणंद निवासी युवती में दो किडनी ट्रांसप्लांट की गई।
- अहमदाबाद के 54 वर्षीय व्यक्ति में लीवर का ट्रांसप्लांट किया गया।

832 अंगों के दान से 766 को नई जिंदगी

अब तक डोनेट लाइफ ने 369 किडनी, 150 लीवर, 7 पैन्क्रियाज, 28 हृदय, 6 फेफड़े और 272 चक्षुओं समेत कुल 832 अंगों और टिशुओं का दान लेकर 766 व्यक्तियों को नया जीवन देने का प्रयास किया है।

સુરતમાંથી બ્રેન્ડેડ મહિલાના અંગોના દાનથી ૭ને નવજીવન

સુરત,તા.૨ : સુરતમાંથી ડોનેટ લાઈફ સંસ્થા દ્વારા ૨૮મું હૃદય અને ફેફસાના દાનની ત્રીજી ઘટના બની છે. કોળી સમાજનાં બ્રેનડેડ ઈલાબેન પટેલનાં પરિવારના સહમતિથી હૃદય ફેફસા, કિડની, લિવર, ચક્ષુઓનું દાન મેળવીને સાત વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું છે. સુરતથી ચેન્નાઈનું ૧૬૧૦ કિમી.નું અંતર ૧૮૦ મીનીટમાં કાપીને હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ દિલ્હીની ૧૫ વર્ષિય વિદ્યાર્થિનીમાં ચેન્નાઈની એમજીએમ હોસ્પિટલમાં તેમજ ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મુંબઈની ૬૧ વર્ષિય મહિલામાં ચેન્નાઈની એપોલો હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે.

હૃદય અને ફેફસાં સમયસર ચેન્નાઈ પહોંચાડવા માટે વિનસ હોસ્પિટલથી સુરત એરપોર્ટ સુધીના માર્ગને ગ્રીન કોરીડોર બનાવવા માટે સુરત શહેર પોલીસનો સહકાર સાંપડ્યો હતો. એ જ રીતે કિડની અને લિવર અમદાવાદની આઈકેડીઆરસી મોકલવા માટે વિનસ હોસ્પિટલથી અમદાવાદ સુધીનાં ૨૬૧ કિમી.ના માર્ગને ગ્રીન કોરીડોર બનાવવા માટે રાજ્યનાં વિવિધ શહેર અને ગ્રામ્ય પોલીસનો સહકાર સાંપડ્યો હતો.

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."

Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

દાનની ભૂમિનો રંગ

કોળી પટેલ સમાજના બ્રેનડેડ ઇલાબેનનો પરિવાર ઓર્ગન ડોનેશનમાં આગળ આવ્યો

સુરતની 41 વર્ષીય મહિલાનું હાર્ટ દિલ્હીની છાત્રામાં, ફેફસા ચેન્નાઈ, કીડની આણંદ મોકલી 7ને નવજીવન

41 વર્ષીય ડોનર ઇલાબેન પટેલ

ગ્રીન કોરીડોરની મદદથી હૃદય, ફેફસા, કિડની અને લિવર મોકલવામાં આવ્યા

કોળી પટેલ સમાજની મહિલાના અંગદાનથી ૭ને નવજીવન-રોશની

સુરતની ૪૧ વર્ષની બ્રેઈનડેડ મહિલાનું હૃદય દિલ્હીની ૧૫ વર્ષની તરૂણીમાં ધબકતું કરાયું

(પ્રતિનિધિ દ્વારા) સુરત,ગુરુવાર

સુરતના કોસાડમાં રહેતા કોળી પટેલ સમાજના બ્રેઈનડેડ મહિલાના અંગદાનથી ૭ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે. દાન કરાયેલા તેમના હૃદયને સુરતથી ૧૮૦ મિનિટમાં ચેન્નાઈ મોકલીને દિલ્હીની ૧૫ વર્ષની વિદ્યાર્થિનીમાં ધબકતું કરાયું હતું. તેમજ તેમના ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મુંબઈની ૬૧ વર્ષની મહિલામાં કરાયું હતું.

કોસાડ ગામમાં બસ સ્ટેન્ડ પાસે જુના કોળીવાડમાં રહેતા ૪૧ વર્ષીય ઈલાબેન નીતિનભાઈ પટેલનું અવસાન થયું હતું. તા.૨૭મીએ રાતે ઈલાબેનને બેચેની આવતા બેભાન થઈ ગયા હતા. પરિવારજનો તેમને ખાનગી હોસ્પિટલમાં લઈ ગયા હતા જ્યાં સી.ટી સ્કેનમાં તેમના મગજની નસ ફાટી ગયાનું અને લોહીનો ગઠ્ઠો જામી જતા મગજમાં સોજો હોવાનું નિદાન થયું હતું. તા.૨૯ સપ્ટેમ્બરે તેમને બ્રેઈનડેડ જાહેર કરાયા હતા.

આ અંગે ડોનેટ લાઈફને જાણ કરાતા ટીમે ઈલાબેનના પરિવારજનોને અંગદાન અંગે સમજાવતા તેઓ તે માટે સંમત થયા

હતા. અને ચેન્નાઈની હોસ્પીટલના ડોક્ટરોની ટીમે સુરત આવી હૃદય અને ફેફસાનું દાન સ્વીકાર્યું હતું. અને સુરતથી ચેન્નાઈની હોસ્પિટલ સુધીનું ૧૬૧૦ કિલોમીટરનું અંતર ગ્રીન કોરીડોરની મદદથી ૧૮૦ મિનિટમાં કાપીને અહીં સારવાર લેતી ૧૫ વર્ષની વિદ્યાર્થિનીમાં હૃદય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરી ધબકતું કરાયું હતું. જ્યારે ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અહીં સારવાર લેતી ૬૧ વર્ષની મુંબઈની મહિલાને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. દાનમાં મળેલી એક કિડની સુરતના ૧૮ વર્ષના યુવાન અને બીજી કિડની આણંદની ૧૮ વર્ષની યુવતીને જ્યારે લિવર સુરતના ૫૪ વર્ષના પ્રૌઢને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. ચક્ષુઓનું દાન લોકદ્રષ્ટી ચક્ષુબેંકે સ્વીકાર્યું હતું. ઈલાબેનના અંગદાનથી કુલ ૭ વ્યક્તિને નવજીવન અને રોશની મળી છે. ગુજરાતમાંથી હૃદયદાનની આ ૩૫મી ઘટના છે. તેમાં ૨૮ હૃદયદાન સુરતમાંથી ડોનેટ લાઈફની મદદથી ૨૮ હૃદયદાન થયા છે. તે પૈકી ૨૦ હૃદય મુંબઈ, ૪ અમદાવાદ, ૨ ચેન્નાઈ, ૧ ઈન્દોર, ૧ નવી દિલ્હીમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયા છે. જ્યારે ફેફસાના દાનની ત્રીજી ઘટના છે.

ગુજરાતમાંથી હૃદયદાનની ૩૫મી ઘટનાઃ દાનમાં મળેલા ફેફસા મુંબઈની ૬૧ વર્ષની મહિલાને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયા

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."

Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

કોસાડના બ્રેઈનડેડ મહિલાના અંગોનું દાન : સાત વ્યક્તિઓને નવજીવન

ધબકાર પ્રતિનિધિ, સુરત, તા. ૧

હાલ ઓર્ગન ડોનેશન માટે લોકો જાગૃત થઈ રહ્યાં છે જેના પરિણામે અન્ય લોકોને નવજીવન મળી રહ્યું છે. ઓર્ગન ડોનેશન બાબતે સુરત શહેર હંમેશા અગ્રેસર રહ્યું છે. તા.૨૭ સપ્ટેમ્બરના રોજ સુરતના કોસાડ ગામ ખાતે રહેતા ૪૧ વર્ષિય ઈલાબેન નીતિનભાઈ પટેલને ચક્કર અને ખેંચ આવતા તેઓ બેભાન થઈ જતા પરિવારજનોએ ખાનગી હોસ્પીટલમાં દાખલ કર્યા હતા. જ્યાં મગજની નસ ફાટી જવાથી લોહીનો ગઠ્ઠો જામી જવાને કારણે તા.૨૯ સપ્ટેમ્બરના રોજ ઈલાબેનને ડોક્ટરોએ બ્રેનડેડ જાહેર કર્યા.

ઈલાબેનના દિયર પુષ્પેન્દ્રભાઈ અને તેમના મિત્ર બિપીનભાઈએ ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નીલેશ માંડલેવાલાનો સંપર્ક સાધ્યો. ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી ઈલાબેનના બંને પુત્ર તનવીર અને આર્યન તથા તેમના પરિવારના અન્ય સભ્યોને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવ્યું જેથી જેથી પરિવારજનોએ અંગદાનની તૈયાર દર્શાવી હતી.

ચેન્નાઈની એમજીએમ હોસ્પિટલમાં હૃદય અને ચેન્નાઈની એપોલો હોસ્પિટલમાં ફેફસા ફાળવ્યા હતા. જ્યારે SOTTO દ્વારા કિડની અને લિવર અમદાવાદની કિડની હોસ્પિટલને ફાળવવામાં આવ્યા હતા. ચક્ષુઓનું દાન લોકદ્રષ્ટી ચક્ષુબેંકને આપવામાં આવ્યું હતુ.

સુરતની વિનસ હોસ્પિટલથી ચેન્નાઈની એમજીએમ તથા એપોલો હોસ્પિટલ સુધીનું ૧૬૧૦ કિ.મીનું અંતર ૧૮૦ મીનીટમાં કાપીને હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ દિલ્હીની ૧૫ વર્ષીય વિદ્યાર્થીનીમાં કરવામાં આવ્યું હતુ અને ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ચેન્નાઈની એપોલો હોસ્પિટલમાં મુંબઈની ૬૧ વર્ષીય મહિલામાં કરવામાં આવ્યું હતુ. દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બન્ને કિડની પૈકી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના ૧૮ વર્ષીય યુવકમાં અને બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ આણંદની ૧૮ વર્ષીય યુવતીમાં અને લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના ૫૪ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અમદાવાદની Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) દ્વારા કરવામાં આવ્યું હતુ.

ગુજરાતમાં હૃદયદાનની આ ૩૫મી ઘટના છે. જેમાં સુરતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા હૃદયદાન કરાવવાની આ ૨૮મી ઘટના છે, જેમાંથી ૨૦ હૃદય મુંબઈ, ૪ હૃદય અમદાવાદ, ૨ હૃદય ચેન્નાઈ, ૧ હૃદય ઈન્દોર અને ૧ હૃદય નવી દિલ્હી ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા છે. ગુજરાતમાં ડોનેટ લાઈફ દ્વારા સુરતથી ફેફસાના દાનની આ ત્રીજી ઘટના છે. જેમાંથી ૨ ફેફસા બેંગ્લોર, ૨ ફેફસા મુંબઈ અને ૨ ફેફસા ચેન્નાઈ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા છે.

સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૩૬૯ કિડની, ૧૫૦ લીવર, ૭ પેન્ક્રીઆસ, ૨૮ હૃદય, ૬ ફેફસાં અને ૨૭૨ ચક્ષુઓ કુલ ૮૩૨ અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન મેળવીને ૭૬૬ વ્યક્તિઓને નવુંજીવન અને નવી દ્રષ્ટી આપવામાં સફળતા મળી છે.

ઈલા બહેને અંગદાન કરી માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી : સુરતથી ચેન્નાઈનું ૧૬૧૦ કિ.મીનું અંતર ૧૮૦ મીનીટમાં કાપીને હૃદય તથા ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સફળ રહ્યું

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."

સુરત: કોસાડનાં બ્રેનડેડ ઈલાબહેને હૃદય સહિતનું અંગદાન કરીને ૭ વ્યક્તિઓને નવજીવન આપ્યું!

સુરત, , તા.૧

હાલ ઓર્ગન ડોનેશન માટે લોકો જાગૃત થઈ રહ્યાં છે જેના પરિણામે અન્ય લોકોને નવજીવન મળી રહ્યું છે. ઓર્ગન ડોનેશન બાબતે સુરત શહેર હંમેશા અગ્રેસર રહ્યું છે. તા.૨૭ સપ્ટેમ્બરના રોજ સુરતના કોસાડ ગામ ખાતે રહેતા ૪૧ વર્ષિય ઈલાબેન નીતિનભાઈ પટેલને ચક્કર અને ખેંચ આવતા તેઓ બેભાન થઈ જતા પરિવારજનોએ ખાનગી હોસ્પીટલમાં દાખલ કર્યા હતા. જ્યાં મગજની નસ ફાટી જવાથી લોહીનો ગઠ્ઠો જામી જવાને કારણે તા.૨૯ સપ્ટેમ્બરના રોજ ઈલાબેનને ડૉક્ટરોએ બ્રેનડેડ જાહેર કર્યા.

ઈલાબેનના દિયર પુષ્પેન્દ્રભાઈ અને તેમના મિત્ર બિપીનભાઈએ ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાનો સંપર્ક સાધ્યો. ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી ઈલાબેનના બંને પુત્ર તનવીર અને આર્યન તથા તેમના પરિવારના અન્ય સભ્યોને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવ્યુ જેથી જેથી પરિવારજનોએ અંગદાનની તૈયારી દર્શાવી હતી.

પરિવારજનો પાસેથી અંગદાનની સંમતિ મળતા નિલેશ માંડલેવાલાએ State Organ and Tissue Transplant Organization (SOTTO) ના કન્વીનર ડૉ.પ્રાંજલ મોદીનો સંપર્ક કરી હૃદય, ફેફસા, કિડની અને લિવરના દાન માટે જણાવ્યું હતુ. ગુજરાતમાં હૃદય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે કોઈ દર્દી ન હોવાને કારણે SOTTO દ્વારા ROTTO મુંબઈનો સંપર્ક કરવામાં આવ્યો પરંતુ મુંબઈમાં હૃદય અને ફેફસાના ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે કોઈ દર્દી ન હોવાને કારણે NOTTO નો સંપર્ક કરવામાં આવ્યો હતો તેથી તેમણે ચેન્નાઈની MGM હોસ્પિટલમાં હૃદય અને ચેન્નાઈની એપોલો હોસ્પીટલમાં ફેફસા ફાળવ્યા હતા. જ્યારે SOTTO દ્વારા કિડની અને લિવર અમદાવાદની Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC)ને ફાળવવામાં આવ્યા હતા. ચક્ષુઓનું દાન લોકદ્રષ્ટિ ચક્ષુબેંકને આપવામાં આવ્યું હતુ.

સુરતની વિનસ હોસ્પિટલથી ચેન્નાઈની MGM તથા એપોલો હોસ્પિટલ સુધીનું ૧૬૧૦ કિ.મીનું અંતર ૧૮૦ મીનીટમાં કાપીને હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ દિલ્હીની ૧૫ વર્ષિય વિદ્યાર્થીનીમાં કરવામાં આવ્યું હતુ અને ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ચેન્નાઈની એપોલો હોસ્પિટલમાં મુંબઈની ૬૧ વર્ષિય મહિલામાં કરવામાં આવ્યુ હતુ. દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બંને કિડની પૈકી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના ૧૮ વર્ષિય યુવકમાં અને બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ આણંદની ૧૮ વર્ષિય યુવતીમાં અને લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના ૫૪ વર્ષિય વ્યક્તિમાં અમદાવાદની Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) દ્વારા કરવામાં આવ્યું હતુ.

હૃદય અને ફેફસાં સમયસર ચેન્નાઈ પહોંચાડવા માટે વિનસ હોસ્પિટલથી સુરત એરપોર્ટ સુધીના માર્ગને ગ્રીન કોરીડોર બનાવવા માટે સુરત શહેરની પોલીસનો સહકાર મળ્યો હતો. એ જ રીતે કિડની અને લિવરને વિનસ હોસ્પિટલથી અમદાવાદ IKDRC હોસ્પિટલ સુધીના ૨૬૧ કિ.મિ.ના માર્ગને ગ્રીન કોરીડોર બનાવવા માટે રાજ્યના વિવિધ શહેર અને ગ્રામ્ય પોલીસનો સહકાર મળ્યો હતો.

ગુજરાતમાં હૃદયદાનની આ ૩૫મી ઘટના છે. જેમાં સુરતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા હૃદયદાન કરાવવાની આ ૨૮મી ઘટના છે, જેમાંથી ૨૦ હૃદય મુંબઈ, ૪ હૃદય અમદાવાદ, ૨ હૃદય ચેન્નાઈ, ૧ હૃદય ઇન્દોર અને ૧ હૃદય નવી દિલ્હી ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા છે. ગુજરાતમાં ડોનેટ લાઈફ દ્વારા સુરતથી ફેફસાના દાનની આ ત્રીજી ઘટના છે. જેમાંથી ૨ ફેફસા બેંગ્લોર, ૨ ફેફસા મુંબઈ અને ૨ ફેફસા ચેન્નાઈ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા છે.

સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૩૯૯ કિડની, ૧૫૦ લીવર, ૭ પેન્ક્રીઆસ, ૨૮ હૃદય, ૬ ફેફસાં અને ૨૭૨ ચક્ષુઓ કુલ ૮૩૨ અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન મેળવીને ૭૬૯ વ્યક્તિઓને નવુંજીવન અને નવી દ્રષ્ટી આપવામાં સફળતા મળી છે.

સુરતથી ચેન્નાઈનું ૧૬૧૦ કિલોમીટર સુધીનું અંતર માત્ર ૧૮૦ મિનિટમાં કાપીને હૃદય તથા ફેફસાનું સફળ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

સુરતમાંથી ૨૮મા હૃદય અને ફેફસાના દાનની ત્રીજી ઘટના

બ્રેઈનડેડ જાહેર થયેલી કોળી પટેલ મહિલાના અંગદાનથી 7ને નવજીવન

દિલ્હીના વિદ્યાર્થીમાં હૃદય અને મુંબઈની મહિલામાં ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

। સુરત ।

કોસાડ ગામની કોળી પટેલ સમાજની બ્રેઈનડેડ મહિલાનાં અંગોનું દાન કરી પરિવારે સમાજને એક દાખલો પૂરો પાડ્યો છે. મહિલાના હૃદય, ફેફસાં, કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓના દાનથી જરૂરિયાતમંદ ૭ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે. સુરતમાંથી ૨૮મા હૃદય અને ફેફસાના દાનની આ ત્રીજી ઘટના છે.

કોસાડ ગામમાં આવેલા જૂના કોળીવાડમાં રહેતા ઈલાબેન નીતિનભાઈ પટેલ (ઉ.વ.૪૧)ને ગત તા. ૨૭ સપ્ટેમ્બરના રોજ રાત્રે નવેક વાગે ચક્કર તેમજ ખેંચ આવતા બેભાન થઇ ગયા હતા. પરિવારજનોએ તેમને તાત્કાલિક સારવાર માટે હોસ્પિટલમાં ખસેડ્યાં હતા. તેમની સીટી સ્કેન સહિતની તપાસ કરાવાતા મગજની નસ ફાટી જવાથી લોહીનો ગઠ્ઠો જામી ગયો હોવાનું તેમજ મગજમાં સોજો હોવાનું નિદાન થયું હતું. ત્યારબાદ તા. ૨૯મી સપ્ટેમ્બરના રોજ ઈલાબેનને તબીબોની ટીમે બ્રેઈનડેડ ઘોષિત કર્યા હતા. ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી ઈલાબેનના પુત્ર તનવીર અને આર્યન, દિયર પુષ્પેન્દ્રભાઈ સહિતના પરિવારના સભ્યોને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવી સમગ્ર પ્રક્રિયા પાર પાડી હતી. ઈલાબેનના હૃદય, ફેફસાં, કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનાં દાનથી જરૂરિયાતમંદ ૭ વ્યક્તિના અંધકારમય જીવનમાં નવો પ્રકાશ રેલાયો હતો.

ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ જણાવ્યું હતું કે, દાનમાં મળેલી બન્ને કિડની પૈકી એક કિડની સુરતના ૧૮ વર્ષીય યુવકમાં અને બીજી કિડની આણંદની ૧૮ વર્ષીય યુવતીમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાઈ હતી. જ્યારે લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના ૫૪ વર્ષીય આધેડમાં અમદાવાદની ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ કિડની ડિસીઝ એન્ડ રિસર્ચ સેન્ટરમાં (IKDRC)માં ડૉ. પાંજલ મોદી અને તેમની ટીમ દ્વારા કરાયું હતું. ચક્ષુઓનું દાન લોકદ્રષ્ટિ ચક્ષુબેંકના ડૉ. પ્રફુલ શિરોયાએ સ્વીકાર્યું હતું. ગુજરાતમાંથી હૃદયદાનની આ ૩૫મી ઘટના છે. જેમાં સુરતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા હૃદયદાનની આ ૨૮મી ઘટના છે, જેમાંથી ૨૦ હૃદય મુંબઈ, ૪ હૃદય અમદાવાદ, ૨ હૃદય ચેન્નાઈ, ૧ હૃદય ઈન્દોર અને ૧ હૃદય નવી દિલ્હી ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા છે. ગુજરાતમાં ડોનેટ લાઈફ દ્વારા સુરતથી ફેફસાંના દાનની આ ત્રીજી ઘટના છે. જેમાંથી ૨ ફેફસાં બેંગ્લોર, ૨ ફેફસાં મુંબઈ અને ૨ ફેફસાં ચેન્નાઈ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા છે.

બ્રેનડેડ ઈલાબહેનના હૃદય, ફેફસા, કિડની, લીવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરાયું

સુરતથી ચેન્નાઈનું ૧૬૧૦ કિ.મી.નું અંતર ૧૮૦ મિનિટમાં કાપીને હૃદય તથા ફેફસાનું સફળ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

સુરત, તા.૨

હાલ ઓર્ગન ડોનેશન માટે લોકો જાગૃત થઈ રહ્યાં છે જેના પરિણામે અન્ય લોકોને નવજીવન મળી રહ્યું છે. ઓર્ગન ડોનેશન બાબતે સુરત શહેર હંમેશા અગ્રેસર રહ્યું છે. તા.૨૭ સપ્ટેમ્બરના રોજ સુરતના કોસાડ ગામ ખાતે રહેતા ૪૧ વર્ષીય ઈલાબેન નીતિનભાઈ પટેલને ચક્કર અને ખેંચ આવતા તેઓ બેભાન થઈ જતા પરિવારજનોએ ખાનગી હોસ્પીટલમાં દાખલ કર્યા હતા. જ્યાં મગજની નસ ફાટી જવાથી લોહીનો ગઠ્ઠો જામી જવાને કારણે તા.૨૯ સપ્ટેમ્બરના રોજ ઈલાબેનને ડોક્ટરોએ બ્રેનડેડ જાહેર કર્યા.

ઈલાબેનના દિયર પુષ્પેન્દ્રભાઈ અને તેમના મિત્ર બિપીનભાઈએ ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાનો સંપર્ક સાધ્યો. ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી ઈલાબેનના બંને પુત્ર તનવીર અને આર્યન તથા તેમના પરિવારના અન્ય સભ્યોને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવ્યું જેથી જેથી પરિવારજનોએ અંગદાનની તૈયારી દર્શાવી હતી.

પરિવારજનો પાસેથી અંગદાનની સંમતિ મળતા નિલેશ માંડલેવાલાએ State Organ and Tissue Transplant Organization (SOTTO) ના કન્વીનર ડૉ. પ્રાંજલ મોદીનો સંપર્ક કરી હૃદય, ફેફસા, કિડની અને લિવરના દાન માટે જણાવ્યું હતુ. ગુજરાતમાં હૃદય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે કોઈ દર્દી ન હોવાને કારણે SOTTO દ્વારા ROTTO મુંબઈનો સંપર્ક કરવામાં આવ્યો પરંતુ મુંબઈમાં હૃદય અને ફેફસાના ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે કોઈ દર્દી ન હોવાને કારણે NOTTO નો સંપર્ક કરવામાં આવ્યો હતો તેથી તેમણે ચેન્નાઈની MGM હોસ્પિટલમાં હૃદય અને ચેન્નાઈની એપોલો હોસ્પીટલમાં ફેફસા ફાળવ્યા હતા. જ્યારે SOTTO દ્વારા કિડની અને લિવર અમદાવાદની Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) ને ફાળવવામાં આવ્યા હતા. ચક્ષુઓનું દાન લોકદ્રષ્ટિ ચક્ષુબેંકને આપવામાં આવ્યું હતુ.

સુરતની વિનસ હોસ્પિટલથી

અનુસંધાન પાના ૭ પર

બ્રેનડેડ

છઠ્ઠા પાનાનું ચાલુ

ચેન્નાઈની MGM તથા એપોલો હોસ્પિટલ સુધીનું ૧૬૧૦ કિ.મીનું અંતર ૧૮૦ મીનીટમાં કાપીને હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ દિલ્હીની ૧૫ વર્ષીય વિદ્યાર્થીનીમાં કરવામાં આવ્યું હતુ અને ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ચેન્નાઈની એપોલો હોસ્પિટલમાં મુંબઈની ૬૧ વર્ષીય મહિલામાં કરવામાં આવ્યું હતુ. દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બન્ને કિડની પૈકી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના ૧૮ વર્ષીય યુવકમાં અને બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ આણંદની ૧૮ વર્ષીય યુવતીમાં અને લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના ૫૪ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અમદાવાદની Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) દ્વારા કરવામાં આવ્યું હતુ.

હૃદય અને ફેફસાં સમયસર ચેન્નાઈ પહોંચાડવા માટે વિનસ હોસ્પિટલથી સુરત એરપોર્ટ સુધીના માર્ગને ગ્રીન કોરીડોર બનાવવા માટે સુરત શહેરની પોલીસનો સહકાર મળ્યો હતો. એ જ રીતે કિડની અને લિવરને વિનસ હોસ્પિટલથી અમદાવાદ IKDRC હોસ્પિટલ સુધીના ૨૬૧ કિ.મિ.ના માર્ગને ગ્રીન કોરીડોર બનાવવા માટે રાજ્યના વિવિધ શહેર અને ગ્રામ્ય પોલીસનો સહકાર મળ્યો હતો.

ગુજરાતમાં હૃદયદાનની આ ૩૫મી ઘટના છે. જેમાં સુરતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા હૃદયદાન કરાવવાની આ ૨૮મી ઘટના છે, જેમાંથી ૨૦ હૃદય મુંબઈ, ૪ હૃદય અમદાવાદ, ૨ હૃદય ચેન્નાઈ, ૧ હૃદય ઇન્દોર અને ૧ હૃદય નવી દિલ્હી ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા છે. ગુજરાતમાં ડોનેટ લાઈફ દ્વારા સુરતથી ફેફસાના દાનની આ ત્રીજી ઘટના છે. જેમાંથી ૨ ફેફસા બેંગ્લોર, ૨ ફેફસા મુંબઈ અને ૨ ફેફસા ચેન્નાઈ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા છે. સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૩૬૯ કિડની, ૧૫૦ લીવર, ૭ પેન્ક્રીઆસ, ૨૮ હૃદય, ૬ ફેફસાં અને ૨૭૨ ચક્ષુઓ કુલ ૮૩૨ અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન મેળવીને ૭૬૬ વ્યક્તિઓને નવુંજીવન અને નવી દ્રષ્ટી આપવામાં સફળતા મળી છે.

સુરતમાંથી બ્રેનડેડ મહિલાના અવયવ દાનથી સાતને નવજીવન

અમારા પ્રતિનિધિ તરફથી

સુરત, તા. ૧ : સુરતમાંથી ડોનેટ લાઇફ સંસ્થા દ્વારા ૨૮મું હૃદય અને ફેફસાનાં દાનની ત્રીજી ઘટના બની છે. કોળી સમાજના બ્રેનડેડ ઇલાબેન પટેલના પરિવારના સહમતિથી હૃદય, ફેફસા, કીડની, લિવર, ચક્ષુઓનું દાન મેળવીને સાત વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું છે.

સુરતથી ચેન્નાઈનું ૧૬૧૦ કિ.મીનું અંતર ૧૮૦ મીનીટમાં કાપીને હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ દિલ્હીની ૧૫ વર્ષીય વિદ્યાર્થીનીમાં ચેન્નાઈની એમજીએમ હોસ્પીટલમાં તેમજ ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મુંબઈની ૬૧ વર્ષીય મહિલામાં ચેન્નાઈની એપોલો હોસ્પીટલમાં કરવામાં આવ્યું છે. દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બન્ને કિડની પૈકી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના ૧૮ વર્ષીય યુવકમાં અને બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ આણંદની ૧૮ વર્ષીય યુવતીમાં જયારે લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના ૫૪ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અમદાવાદની આઇકેડીઆરસીમાં ડૉ. પ્રાંજલ મોદી અને તેમની ટીમ દ્વારા કરવામાં આવ્યું છે.

હૃદય અને ફેફસાં સમયસર ચેન્નાઈ પહોંચાડવા માટે વિનસ હોસ્પિટલથી સુરત એરપોર્ટ સુધીના માર્ગને ગ્રીન કોરીડોર બનાવવા માટે સુરત શહેર પોલીસનો સહકાર સાંપડ્યો હતો. એજ રીતે કિડની અને લિવર અમદાવાદની આઇકેડીઆરસી મોકલવા માટે વિનસ હોસ્પિટલથી અમદાવાદ સુધીના ૨૬૧ કિ.મિ.ના માર્ગને ગ્રીન કોરીડોર બનાવવા માટે રાજ્યના વિવિધ શહેર અને ગ્રામ્ય પોલીસનો સહકાર સાંપડ્યો હતો.

દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા અત્યારસુધી ૩૬૯ કિડની, ૧૫૦ લીવર, ૭ પેન્ક્રીઆસ, ૨૮ હૃદય, ૬ ફેફસાં અને ૨૭૨ ચક્ષુઓ કુલ ૮૩૨ અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન મેળવીને ૭૬૬ વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને નવી દ્રષ્ટી બક્ષવામાં સફળતા મળી છે.

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: january 2006 to 30th Sep 2020

369
KIDNEY

150
LIVER

7
PANCREAS

28
HEART

6
LUNGS

272
CORNEA

Which has given new lease of life &
vision to 766 persons across the country & globe

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."